ये अव्यक्त इशारे

अब लगन की अग्नि को प्रज्वलित कर योग को ज्वाला रूप बनाओ

20-09-2025

जब तक आपकी याद ज्वाला रूप नहीं बनी है तब तक यह विनाश की ज्वाला भी सम्पूर्ण ज्वाला रूप नहीं लेती है। यह भड़कती है, फिर शीतल हो जाती है क्योंकि ज्वाला मूर्त और प्रेरक आधार-मूर्त आत्माएं अभी स्वंय ही सदा ज्वाला रूप नहीं बनी हैं। अब ज्वाला रूप बनने का दृढ़ संकल्प लो और संगठित रूप में मन-बुद्धि की एकाग्रता द्वारा पावरफुल योग के वायब्रेशन चारों ओर फैलाओ।

Now ignite the fire of love and make your yoga volcanic.

For as long as your remembrance has not become volcanic, the flames of destruction will also not take their complete volcanic form. They flare up and then cool down, because souls who are sometimes the volcanic form and images of support have not become the volcanic form constantly. Now, have the determined thought to become the volcanic form and use the concentration of your mind and intellect in a collective way to spread the vibrations of powerful yoga everywhere.